GRIZZLY
COLLEGE OF EDUCATION
Recognised by ERC, NCTE: Affiliated to VBU Hazaribag

प्रतिकृति

Bulletin ISSUE Sep. - Dec. - 2017

From the Directors' Desk

वर्षान्त के चार महीनों में महाविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता में अभिवृद्धि के लिए [illegible] बनीं और उन्हें साकार रूप भी दिया गया। निश्चय ही ये योजनाएँ महाविद्यालय की प्रगति व छवि निखारने और प्रशिक्षुओं के [illegible] व्यक्तित्व गुण ज्ञान का खजाना, अनुकरणीय मॉडल, अध्यापन के क्षेत्र में समर्पण, आत्मविश्वास तथा उत्तरदायित्व का निर्वहन करने में मील का पत्थर साबित होगा।

"अविरल गति से आगे बढ़ते रहें, बढ़ते रहें", इन्हीं शुभकामनाओं के साथ हम प्राचार्या के [illegible] की प्रशंसा करते हुए टीम के सदस्यों और प्रशिक्षुओं के नव वर्ष की मंगलकामना करते हैं।

मनीष कपसिमे

अविनाश सेठ

From Principal's Desk

प्रस्तुत "प्रतिकृति" 2017 का अंतिम संस्करण प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष हो रहा है। यह संस्करण अनेक विशिष्ट उपलब्धियों का संग्रह है। हमारा सदैव प्रयास रहा है कि "प्रतिकृति" के माध्यम से महाविद्यालय के प्रत्येक महीने के आयोजनों और क्रिया-कलापों को पाठकों के समक्ष उपलब्ध हो। भारत का भविष्य निर्माण विद्यालय में हीं होता है। अतः महाविद्यालय में किये जा रहे विभिन्न शैक्षणिक और रचनात्मक कार्यक्रम इसके महत्व को स्पष्ट करने के लिए इससे अधिक और क्या हो सकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में माह सितम्बर में स्वस्थिति निर्धारण कार्यक्रम, निबन्ध प्रतियोगिता और प्रतिभा खोज कार्यक्रम, अक्टूबर महीने में चित्रकला प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता और रंगोली कार्यक्रम, नवम्बर महीने में हस्तकला कार्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस कार्यक्रम, वार्षिकी मेला, समूह वाद- विवाद कार्यक्रम, वार्षिकी खेल-कूद प्रतियोगिता और दिसम्बर महीनें में शैक्षणिक सर्वेक्षण कार्यक्रम, पास आउट प्रशिक्षुओं और बी0एड0 कॉलेज के मध्य दीर्घकालीन सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाने के लिए एल्युमिनी मिलन का आयोजन, पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, पुस्तकालय दिवस का आयोजन और वर्षान्त में विश्व में मानवता के प्रति शांति, सौहार्द, प्रेम, दया, करूणा और भाई-चारे का संदेश वाहक प्रभु ईसा की स्मृति में "क्रिसमस डे" धूम-धाम से मनाया गया।

इसके लिए हम अपने टीम के सभी सदस्यों और प्रशिक्षुओं के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होनें परोक्ष व प्रत्यक्ष रूप से समस्त आयोजनों को सफल व साकार रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। आशा है, यह "प्रतिकृति" पाठकों के लिए उत्साहवर्धक होगा। आपका नव वर्ष मंगलमय हो, यही मेरी हार्दिक शुभकामना है।

Sanjeeta Kumari
डॉ. संजीता कुमारी
प्राचार्य

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Activities of the Month September 2017

Orientation Programme 2017-19

Teachers Day

Activities of the Month October 2017

Diwali Celebration

Drawing Competition

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

NAS

PTM

Activities of the Month December 2017

Alumni Meet

Christmas Celebration

Educational Survey

Library Day

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

प्रथम ही अन्तिम है

आरम्भ और अन्त दो चीजें नहीं है। आरम्भ ही अन्त है। इसलिए दोनों को बांटो मत और द्वैत की भाषा में मत सोचो।

जो कुछ भी उद्देश्य है उसका बिलकुल शुरू से अभ्यास करना पड़ता है। वह पहला कदम ही अन्तिम भी है। अतः बहुत सतर्क रहना पड़ता है पहले कदम के प्रति। यदि पहला कदम सम्यक दिशा में होता है, केवल तभी अन्तिम की उपलब्धि होगी। अगर तुम पहले कदम को गंवा देते हो, तुमने सारे को गवां दिया होता है।

जो कुछ भी परम उद्देश्य है, वह यहीं और अभी छिपा हुआ है, तुम में ही, बिलकुल प्रारम्भ में ही अगर वह वहां आरम्भ में ही नहीं है, तुम उसे अन्त में नहीं पा सकते। स्वभावतः अन्तर तो होगा। आरम्भ में वह केवल बीज हो सकता है अन्त में वह समग्र रूप से खिल जायेगा।

उदाहरण के तौर पर अहिंसा अन्त है, साध्य है। व्यक्ति इतना करुणामय बन जाता है, इतने गहरे रूप से प्रेम से भरा हुआ कि उसमें कोई हिंसा नहीं होती, हिंसा की कोई सम्भावना नहीं। प्रेम या अहिंसा अन्त है।

करके देखें

1. अपने कार्य की महत्ता को पहचानें। आप किस तरह से समय का प्रबंधन करके और अधिक कार्य कर सकते हैं।
2. समय की पाबंदी की आदत डालने का फैसला आज ही कर लें।
3. अपने दिन की ऐसी योजना बनाएँ, कि काम पर दूसरों से एक घंटे पहले आएँ। लंच के वक्त भी कुछ समय निकाल कर कार्य करें और सबके जाने के एक घंटे बाद ऑफिस से घर जाएँ।
4. जब कार्य का वक्त हो तो पूरे वक्त कार्य ही करें। एक भी मिनट बर्बाद नहीं करें। यदि कोई आपके कार्य में बाधा डाल रहा हो तो उसे बताएँ कि हमें बहुत कार्य करने हैं और फिर अपने कार्य में जुट जाएँ।
5. [illegible] में कोर्डी प्लस के फॉर्मूले को लागू करें। अपने कार्य और अपने आपको बेहतर बनाने के लिए प्रति सप्ताह पचास से साठ घंटे का वक्त दें। अपने आपको देवदूतों की पंक्ति में खड़ा कर लें।

अधिक महत्वपूर्ण यह नहीं है कि आपने कितने घंटे कार्य किया, महत्व की बात तो यह है कि आपने उन घंटों में कार्य को बेहतर बनाने के लिए कितना वक्त दिया। आपकी कामयाबी इस बात पर निर्भर करती है कि आपने अपने वर्तमान काम को महाविद्यालय के लिए कितने बेहतर तरीके से कर सकते हैं। यही आपके भविष्य को तय कर सकता है। अतः आज का कार्य कल पर नहीं छोड़ें।

जिन लोगों ने भी आज का कार्य कल पर छोड़ा है, वे संसार में पीछे रह गए। एक विद्यार्थी निश्चय करता है कि मैं आज से कम से कम रात के ग्यारह बजे तक पढ़ा करूँगा। देखने में यह बात

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

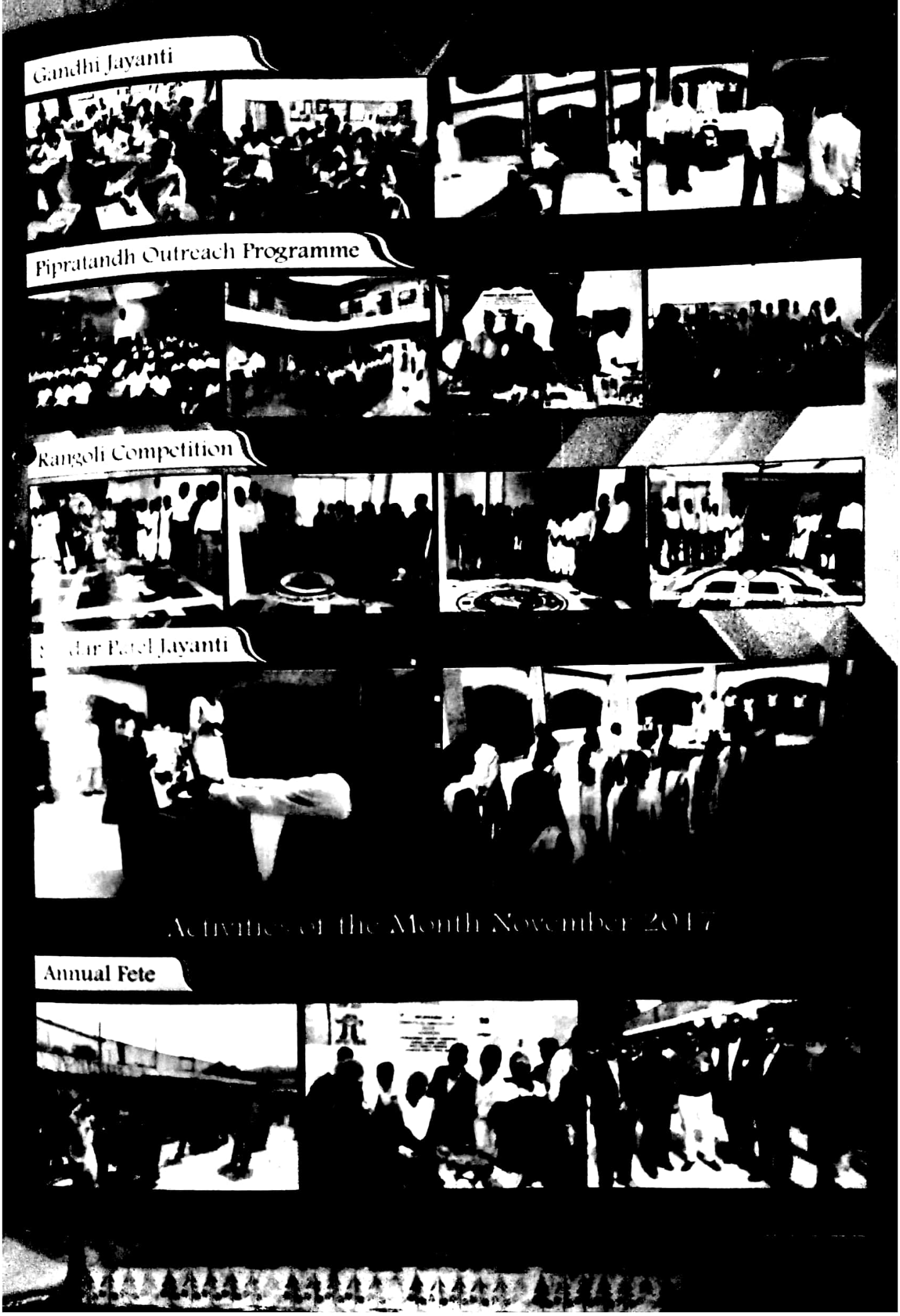

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Education Day

Fevicryl Workshop

Group Discussion

Prize Distribution

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

साधारण लगती है। सायंकाल आता है, चारों ओर अन्धकार छा जाता है। दीपक घर को प्रकाशित करने लगता है। विद्यार्थी भोजन करता है और धीरे-धीरे आलस्य उस पर आक्रमण करता है। अब उसके निश्चय की दीवार हिलने और डगमगाने लगती है। उके पक्ष में नए-नए तर्क उसके सन्मुख आने लगते हैं। वह सोचने लगता है, ''अभी तो परीक्षा में बहुत समय बाकी है। अभी ऐसी कौन सी जल्दी है? कल से मैं नियम पूर्वक पढ़ना आरम्भ करूँगा।'' बस वह इसी तर्क वितर्क में पढ़ना छोड़ देता है। वह कल कभी नहीं आता। वही घड़ी उसकी विजय की घड़ी थी। कल तो शैतान का दूत है। इतिहास में ऐसे एक नहीं, अनेक उदाहरण हैं जहाँ कल की इस तेज धार पर कितनों की योजनाएँ अधूरी रह गई। पत्रों के उत्तर जितनी अच्छी तरह उसी समय दिया जा सकता है, उतना अच्छा और उतनी खूबी से कल नहीं दिया जा सकता।

प्रसिद्ध कहावत है - ''आषाढ़ का चूका किसान और डाल का चूका बन्दर कहीं का नहीं रहता''।

सुरेश सिंह
पुस्तकालयाध्यक्ष

बेटी है, तो कल है

''रात के पिछले पहर मैंने वो सपना देखा,
खिलने से पहले, कली का वो मसलना देखा।

एक मासूम कली, कोख में माँ के लेटी
सिर्फ गुनाह थी, बेटा नहीं, थी वो इक बेटी
सुबह सांझ बाबा का बेटा - बेटा रटना देखा
तन्हा माँ के तब कलेजे का यूँ फटना देखा।

बे ानी से उसे कोख में पहचाना गया
पि किसी जख्म की मानिंद कुरेदा भी गया
अ गढ़े हाथों को पैरों को कुचला काटा गया
नै को, होठों को गालों को नोचा भी गया।

कितना आसान है, बेटी का यूँ मरना देखा
कोख

क्या मिला तुमको, बताओ ऐ जमाने वालों,
बेटे को बेटी से बेहतर बताने वालों
किसी की मजबूर -सी माँ को यूँ दबाने वालों,
लम्हा - लम्हा किसी के प्राण मिटाने वालों।

किसी सीता का फिर अग्नि से गुजरना देखा,
द्रोपदी -सा किसी का दांव पे लगना देखा
सबने खुदगर्जी में बस मतलब देखा
कैसे बर्बाद, वतन होगा ये अपना देखा।''

जेबा खातू
860, 2017

विवेक वाणी

''मेरे बच्चों, मैं जो चाहता हूँ,
वह है लोहे की नसें और
फौलाद के स्नायु, जिनके भीतर
ऐसा मन वास करता हो जो
कि वज्र के समान पदार्थ का
बना हो। बल, पुरूषार्थ,
क्षत्रवीर्य और ब्रह्मतेज!''

Life

Life is really Simple,
but we insist on,
Making it complicated.

Life always offers you,
a second chance,
It's called tomorrow.

Very little is needed to make a happy life,
it's all within yourself,
in your way of thinki

Kameshwar Kum

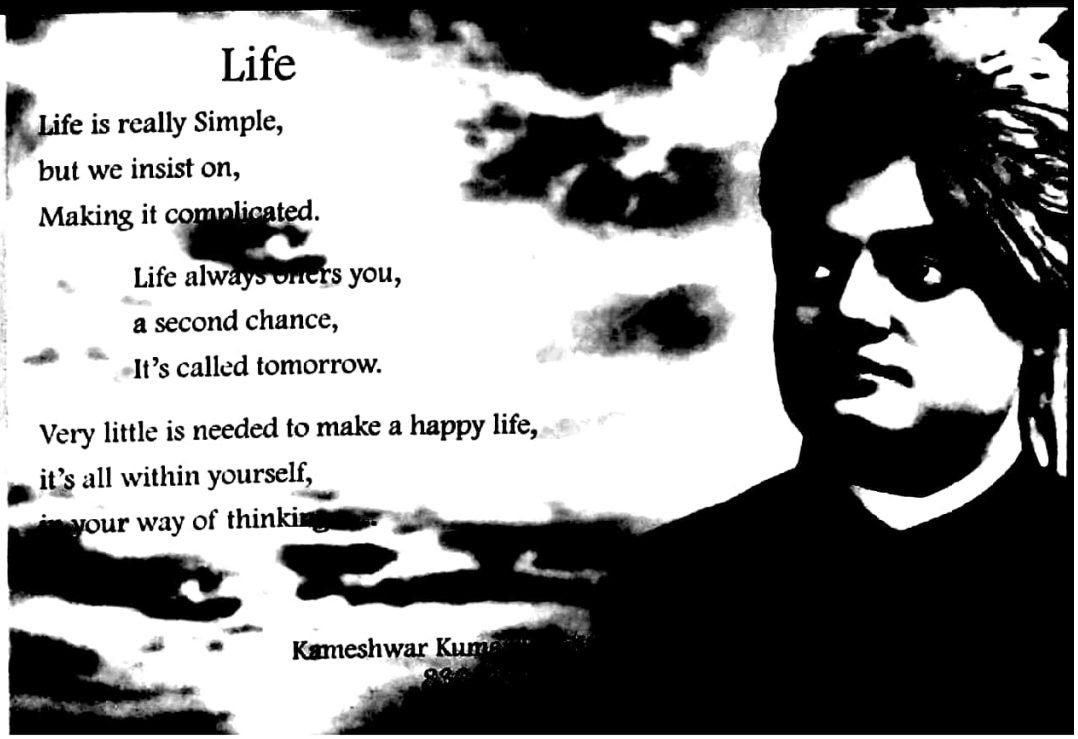

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

TIME ZONE

Put your full concentration in this zone as the game of TIME is going to start…

New York is 3 hours ahead of California, but it does not make California slow.

Someone graduated at the age of 22, but waited for 5 years before securing a good job!

Someone became a CEO at 25, and died at 50. While another became a CEO at 50, and to 90 years.

Someone is still single, while someone else got married.

Obama retires at 55, but Trump starts at 70.

Absolutely everyone in this world works based on their Time Zone.

People around you might seem to be behind you.

But everyone is running their own RACE, in their own TIME.

Don't envy them or mock them.

They are in their TIME ZONE, and you are in yours!

Life is about waiting for the right moment to act.

So, RELAX.

You're not LATE.

You're not EARLY.

You are very much on TIME, and in your TIME ZONE destiny set up for you.

In conclusion don't be sad if things turn out to be slow.

In Nature's hands time is a tool.

It makes all things beautiful in its time.

Pushpita Pandey
869, 2017-19

Best House of The Month Sep'17 :- Radhakrishnan & Rousseau House

Best House of The Month Oct.'17 :- Vivekanand House

Best House of The Month Nov.'17 :- Radhakrishnan House

Best House of The Month Dec.'17 :- Rousseau House & Aristotle House

ACHIEVEMENTS

100% Attendance in Sep.2017

Vikash Kumar	11
Subha Verma	40
Ranju Kumari	51
Priti Kumari	59
Priya Kumari	61
Reeta Kumari	66
Chhoti Kumari	72
Sarita Raj	86

100% Attendance in Oct.2017

Vikash Kumar	11
Bipul Kumar	28
Sarita Raj	86
Nisha Kumari	88
Ajit Prasad	47
Priya Kumari	61
Priti Kumari	59
Krishna Kumar Yadav	71
Chhoti Kumari	72

100% Attendance in Nov. 2017

Preety Prakash Singh	08
Vikash Kumar	11
Shambhu Yadav	49
Priti Kumari	59
Zeba Khatun	60
Chhoti Kumari	72
Rinki Kumari	75
Sarita Raj	86
Nisha Kumari	88

100% Attendance in Dec.2017

Vikash Kumar	11
Ajit Prasad	47
Shambhu Yadav	49
Ranju Kumari	51
Priti Kumari	59
Zeba Khatun	60
Suman Kumari	64
Reeta Kumari	66
Shambhavi	67
Chhoti Kumari	72
Rinki Kumari	75
Sarita Raj	86
Nisha Kumari	88
[illegible] Kumar	96

Book - Post

Chief Editor
Dr. Sanjeeta Kumari

Editors
Prof. Mohit Kumar Tiwari
Prof. Vageesh Dubey

Student Editors
Pushpita Pandey &
Vikash Kumar

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner